Series S4PQR/4

SET-2

प्रश्न–पत्र कोड **29/4/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र कोड को उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 14 है । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खंड हैं - **खंड-'अ'** और **'ब'** । **खण्ड-'अ'** में 40 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उपप्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी 40 उपप्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iii) ***खण्ड-'ब'** में 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(iv) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए ।*

(v) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

खंड – अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **$8 \times 1 = 8$**

परमगुरु,
दो तो ऐसी विनम्रता दो
कि अंतहीन सहानुभूति की वाणी बोल सकूँ
और यह अंतहीन सहानुभूति पाखंड न लगे ।
दो तो ऐसा कलेजा दो
कि अपमान, महत्त्वाकांक्षा और भूख
की गाँठों में मरोड़े हुए
उन लोगों का माथा सहला सकूँ
और इसका डर न लगे
फिर हाथ ही काट खाएगा ।
दो तो ऐसी निरीहता दो
कि इस दहाड़ते आतंक के बीच
फटकार कर सच बोल सकूँ
और इसकी चिंता न हो
कि इस बहुमुखी युद्ध में
मेरे सच का इस्तेमाल
कौन अपने पक्ष में करेगा
यह भी न दो
तो इतना ही दो
कि बिना मरे चुप रह सकूँ ।

(i) पद्यांश में कवि ने कैसी विनम्रता की याचना की है ?

(A) छल–कपटपूर्ण सहानुभूति दिखाने वाली

(B) मृत्युपर्यंत सहानुभूति दिखाने वाली

(C) छल करने वाली

(D) अनैतिकता दिखलाने वाली

(ii) 'माथा सहला सकूँ' का आशय है –

(A) सांत्वना देना (B) दुख दूर करना

(C) सिर सहलाना (D) मस्तिष्क ठीक करना

(iii) कवि ने किन लोगों को सांत्वना देने की बात की है ?

(A) सम्मानपूर्ण और संतोषपूर्ण जीवन जीने वालों को

(B) अपमान, भूख से पीड़ित आगे बढ़ने की इच्छा वालों को

(C) दरिद्रतापूर्ण जीवन जीने वालों को

(D) दिन रात श्रम करने वाले प्राणियों को

(iv) 'निरीहता' का अर्थ है –

(A) अनासक्ति (B) तीव्रता

(C) निष्पक्षता (D) अभिलाषिता

(v) इस कविता के केंद्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : (1) दीन–दुखियों की सहायता करने की याचना

(2) निडर होकर सत्य बोलने की याचना

(3) जीवन रूपी युद्ध में वीरता दिखाने की याचना

(4) आतंक के वातावरण में सबको भयभीत करने की याचना

विकल्प :

(A) कथन (1) और (2) सही हैं।

(B) कथन (1) और (3) सही हैं।

(C) कथन (1), (2) और (3) सही हैं।

(D) कथन (2), (3) और (4) सही हैं।

(vi) 'बहुमुखी' शब्द का अर्थ क्या है ?

(A) चारों तरफ मुँह दिखाने वाला (B) विभिन्न मुखों वाला

(C) अनेक विषयों से संबंध रखने वाला (D) विशेष साधनों को जोड़ने वाला

(vii) 'कि इस दहाड़ते आतंक के बीच
फटकार कर सच बोल सकूँ' – पंक्ति के संदर्भ में कवि की चारित्रिक विशेषता है –

(A) सत्यप्रियता
(B) निर्भयता
(C) दृढ़ता
(D) कठोरता

(viii) पद्यांश के अंत में कवि ने गुरु से क्या निवेदन किया है ?

(A) दुख दैन्यपूर्ण संसार में कठोरवाणी बोलने का
(B) दूसरों की हताशा, दीनता का प्रचार करने का
(C) धनिकों के जीवन को धिक्कारने का
(D) दु:साहस न कर चुप रहने का

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **10 × 1 = 10**

यदि मानव परस्पर पृथक् होकर कार्य तथा विचार करें तो मानवसमाज की प्रगति संभव नहीं । इसलिए मनुष्य का मन, वचन और कर्म से यथासंभव एक होना आवश्यक है । यदि हम एकजुट होकर काम करते हैं तो हमारी उन्नति निश्चित है । यदि हम बँटकर, बिखरकर काम करते हैं तो हमारी अवनति होकर रहेगी । कहते हैं कि एकता में ही बल है – अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता । एक मामूली तिनके की क्या बिसात ! किंतु जब वही संगठित हो जाता है तो उससे बनी रस्सी के द्वारा बड़े-बड़े उन्मत्त गजराज भी बाँध दिए जाते हैं ।

एक नन्हीं-मुन्नी बूँद की क्या हस्ती ! किन्तु वही बूँद मिलकर समुदाय रूप में जब नद बन जाती है तो उसके सामने बड़े-बड़े भूधर भी काँपने लगते हैं । एक छोटी-सी ईंट तो किसी ठोकर या चोट से फोड़ी जा सकती है किंतु जब वही मिलकर दीवार बनती है तो बड़े-बड़े वीरों के पथ अवरुद्ध हो जाते हैं । जो चींटी छोटी और दुबली मालूम पड़ती है, वही जब एक साथ हो जाती है तो विषधर भुजंगों को भी चट कर जाती है । यदि चिड़ियाँ एका कर लें तो शेर की खाल खींच सकती हैं । यदि हम अपने शरीर की ओर देखें तो एकता का महत्त्व स्पष्ट हो जाएगा ।

विनोबा भावे ने कहा है कि सबको हाथ की पाँचों उँगलियों की तरह रहना चाहिए । हाथ की पाँचों उँगलियाँ तो समान नहीं है – कोई छोटी है, कोई बड़ी । लेकिन हाथ से किसी को उठाना होता है तो पाँचों इकट्ठा होकर उठाती हैं, हैं तो पाँच लेकिन काम हज़ार का कर लेती हैं – उनमें एकता जो है ।

एकता के अभाव में दुष्परिणाम कितना भयावह होता है । कौरव और पाण्डव की आपसी फूट के कारण इतना बड़ा महाभारत हुआ जिसे सारा संसार जानता है । अनाचारी रावण भी शायद ही पराजित होता यदि अपने छोटे भाई विभीषण को लात मारकर वह अपने से अलग नहीं कर देता ।

अत: यह आवश्यक है कि यदि परिवार में सुख-शांति और समृद्धि की त्रिवेणी लहराती हुई देखना चाहते हैं तो परिवार के सदस्यों को एकता के दिव्यमंत्र से दीक्षित करें । हम देश में, समग्र संसार में एकता का शंख फूँकें और 'वसुधैव कुटुंबकम्' की डोर में बँध जाएँ ।

(i) मानव समाज की प्रगति संभव है –

(A) मन, वचन से एक होकर कार्य करने से ।

(B) मन, कर्म से अनेक होकर कार्य करने से ।

(C) मन, वचन, कर्म से एक होकर कार्य करने से ।

(D) मन, वचन, कर्म से अलग होकर कार्य करने से ।

(ii) 'अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता' – लोकोक्ति का अर्थ है –

(A) एक व्यक्ति दूसरों के सहयोग से बड़ा काम कर सकता है ।

(B) एक व्यक्ति दूसरों के सहयोग से कोई काम नहीं कर सकता ।

(C) एक व्यक्ति काम करने में सक्षम नहीं होता ।

(D) केवल एक व्यक्ति बड़ा काम करने में सक्षम नहीं है ।

(iii) गद्यांश में बूँद, तिनके, चींटी आदि का उदाहरण दिया गया है –

(A) एकता का महत्त्व समझाने के लिए ।

(B) छोटे-बड़े जीव का आदर करने के लिए ।

(C) छोटे-बड़े जीव का महत्त्व समझाने के लिए ।

(D) 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना का प्रसार करने के लिए ।

(iv) यदि बूँदों का समन्वित रूप नद है, तो नदों का समन्वित रूप होगा –

(A) नदी (B) स्रोत

(C) सागर (D) तालाब

(v) गद्यांश में आए वाक्य 'वीरों के पथ अवरुद्ध हो जाते हैं' का आशय है –

(A) वीरों के रास्ते भी खुल जाते हैं। (B) वीरों की गति रुक जाती है।

(C) वीरों के भी रास्ते बंद हो जाते हैं। (D) वीरों की वीरता शिथिल हो जाती है।

(vi) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : सुख-शांति और समृद्धि के लिए एकता की डोर में बँधे रहना आवश्यक है।

कारण : एकजुट होकर कार्य करने से प्रगति और उन्नति निश्चित है।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।

(B) कथन गलत है किंतु कारण सही है।

(C) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(vii) हाथ की पाँच उँगलियों के माध्यम से लेखक ने संदेश दिया है कि –

(A) कार्य की सफलता के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग का होना अपेक्षित है।

(B) एकजुट होकर काम करने से बड़े से बड़ा काम संभव हो सकता है।

(C) हाथों की मदद से हर कार्य को सरलतापूर्वक किया जा सकता है।

(D) बिना उँगलियों की मदद से कोई कार्य नहीं किया जा सकता।

(viii) अनेकता के भयावह परिणाम के रूप में, गद्यांश में आया है –

(A) देव-दानव युद्ध (B) महाभारत युद्ध

(C) पाण्डवों का वनवास (D) राम-रावण युद्ध

(ix) विभीषण के बारे में लोक प्रसिद्ध कहावत है –

(A) सीता का रक्षक (B) राम का भक्त

(C) घर का भेदिया (D) रावण का भाई

(x) 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का आशय है –

(A) पूरी पृथ्वी परिवार से महान है।

(B) पूरा परिवार पृथ्वी में समाया हुआ है।

(C) पूरी पृथ्वी एक परिवार का अंग है।

(D) पूरी पृथ्वी ही एक परिवार की तरह है।

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

अरुण यह मधुमय देश हमारा !
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा ।
सरस तामरस गर्भ विभा पर–नाच रही तरुशिखा मनोहर ।
छिटका जीवन हरियाली पर–मंगल कुंकुम सारा !
लघु सुरधनु से पंख पसारे–शीतल मलय समीर सहारे ।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए–समझ नीड़ निज प्यारा ।

(i) "जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज" – इस पंक्ति में क्षितिज शब्द का अर्थ है –

(A) जहाँ आकाश का अंत होता है ।

(B) जहाँ धरती और आकाश मिलते हुए नजर आते हैं ।

(C) जहाँ आकाश रुक जाता है ।

(D) जहाँ आकाश और धरती नृत्य करते हैं ।

(ii) कविता में कवि ने किसका वर्णन किया है ?

(A) पेड़ों की शिखा पर नाचती सूर्य की किरणों का

(B) भोर के नभ की सुंदरता और विशिष्टता का

(C) पंख फैलाकर घर की ओर उड़ने वाले पक्षियों का

(D) भारत के प्राकृतिक सौंदर्य और महिमा का

(iii) "छिटका जीवन हरियाली पर–मंगल कुंकुम सारा" – का भाव है –

(A) वृक्षों की हरियाली पर लाली छाई है ।

(B) चारों तरफ कुंकुम फैला है ।

(C) सूरज ने भारतवासियों के जीवन को समृद्ध और खुशहाल बना दिया ।

(D) सूरज की लाल किरणें फैल रही हैं ।

(iv) 'अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा' का आशय क्या है ?

(A) भारत में सबको अपना समझा जाता है ।

(B) भारत में पक्षी भी सहारा पाते हैं ।

(C) भारत में अनजान लोगों की भी सहायता की जाती है ।

(D) भारत में कोई अनजान नहीं रहता ।

(v) 'मलय समीर सहारे' का अर्थ है –

(A) दक्षिण दिशा से आने वाली सुगंधित हवा

(B) चंदनवृक्षों का स्पर्श करने वाली हवा

(C) दक्षिण दिशा में उड़ने वाला खगदल

(D) पूर्व दिशा की ठंडी हवा

(अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न)

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **$5 \times 1 = 5$**

(i) इण्टरनेट पर समाचार –

(A) सुनने की सुविधा है ।

(B) देखने की सुविधा है ।

(C) पढ़ने, सुनने और देखने की सुविधा है ।

(D) पढ़ने की सुविधा है ।

(ii) सोहम एक पत्रकार है । उन्होंने राजनीति विज्ञान में एम.ए. किया है । राजनीति में उनकी बड़ी रुचि है । उनकी रुचि और रुझान के आधार पर उन्हें कौन-सी बीट दी जाने की संभावना है ?

(A) राजनीतिक (B) आर्थिक

(C) खेल जगत (D) शैक्षिक जगत

(iii) समाचार के मुखड़े (इंट्रो) में ख़बर लिखी जाती है –

(A) क्या, कौन, कब तथा कहाँ को आधार बनाकर ।

(B) क्या, कैसे, कब, कौन तथा क्यों को आधार बनाकर ।

(C) क्या, कौन, क्यों तथा कैसे को आधार बनाकर ।

(D) कौन, क्यों, कहाँ तथा कब को आधार बनाकर ।

(iv) किसी मुद्दे के प्रति समाचार-पत्र की अपनी राय प्रकट करने वाला लेखन होता है –

(A) संपादक के नाम पत्र (B) साक्षात्कार

(C) विशेष लेख (D) संपादकीय

(v) विशेषीकृत रिपोर्टिंग में होता है –

(A) सामान्य विषय/क्षेत्र से जुड़ी ख़बरों का विश्लेषण

(B) आम ख़बरों से भिन्न ख़बरों का विश्लेषण

(C) विशेष क्षेत्र या विषय से जुड़ी घटनाओं, मुद्दों, समस्याओं का विश्लेषण

(D) राजनीति के सिद्धांत और नीतिसंबंधी ख़बरों का विश्लेषण

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **7 × 1 = 7**

(i) झोंपड़ी जल जाने पर सूरदास को किस बात का अधिक दुख था ?

(A) कपड़े जल जाने का

(B) रुपयों की पोटली जल जाने का

(C) झोंपड़ी जल जाने का

(D) बरतन-बासन जल जाने का

(ii) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ से उद्धृत पंक्ति 'दमड़ी-छदाम-कौड़ियों के लिए टेनी मारता हूँ ।' में 'दमड़ी-छदाम-कौड़ियों' का सांकेतिक अर्थ है –

(A) तोल के बाट (वज़न)

(B) प्राचीन भारतीय मुद्रा

(C) मिठाइयों के प्रकार

(D) छोटा-मोटा मुनाफा

(iii) विसनाथ पर क्या अत्याचार हो गया ?

(A) गाय का दूध पीने को दिया गया ।

(B) माँ का दूध पीना छुड़ा दिया गया ।

(C) छोटे भाई का जन्म हो गया ।

(D) दाई के द्वारा पालन-पोषण हुआ ।

(iv) लेखक विसनाथ ने माँ की तुलना बत्तख से क्यों की ?

(A) माँ और बत्तख दोनों बच्चे के जन्म होने के बाद छोड़ देते हैं ।

(B) दोनों अपने बच्चों की रखवाली दूसरे से करवाती हैं ।

(C) दोनों जन्म देने के बाद बच्चों की देखभाल स्वयं करती हैं ।

(D) दोनों में बच्चों के प्रति ममता, सुरक्षा और सतर्कता की भावना है ।

(v) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में किस शास्त्रीय गायन-शैली की चर्चा हुई है ?

(A) ठुमरी (B) भैरवी

(C) दक्षिण भारतीय (D) ओडिसी

(vi) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ का वर्ण्य विषय है –

(A) ग्रामीण जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य

(B) शहरी जीवन और शानशौकत

(C) राजसी ठाट-बाट और अंग्रेजी राज

(D) ज़मींदारों का व्यवहार और प्रकृति की बौखलाहट

(vii) मालवा में प्राचीन राजाओं ने धरती के पानी को जीवंत रखने के लिए क्या किया ?

(A) तालाबों को गाद से भर दिया ।

(B) तालाब बनवाये – बड़ी-बड़ी बावड़ियाँ बनवाई ।

(C) ज़मीन के पानी को पाताल से भी निकाल दिया ।

(D) नदियों के रास्तों को बदल दिया ।

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

वैदिक काल के हिंदू ढेले छुआकर स्वयं पत्नीवरण करते थे । आप कह सकते है कि जन्मभर के साथी की चुनावट मट्टी के ढेलों पर छोड़ना कैसी बुद्धिमानी है । अपनी आँखों से जगह देखकर, अपने हाथ से चुने हुए मट्टी के डगलों पर भरोसा करना क्यों बुरा है और लाखों-करोड़ों कोस दूर बैठे बड़े-बड़े मट्टी और आग के ढेलों-मंगल और शनैश्चर और बृहस्पति की कल्पित चाल के कल्पित हिसाब का भरोसा करना क्यों अच्छा है, यह मैं क्या कह सकता हूँ ? बकौल वात्स्यायन के, आज का कबूतर अच्छा है कल के मोर से, आज का पैसा अच्छा है कल के मोहर से ।

(i) गद्यांश में बताई गई स्वयंवर प्रथा को माना जा सकता है –

(A) लोगों की बुद्धिमानी
(B) अंधविश्वास
(C) समाज की मान्यता
(D) समाज की रीति

(ii) गद्यांश में आए 'बुद्धिमानी' शब्द का भाव है –

(A) चालाकी
(B) अज्ञानता
(C) बेवकूफी
(D) प्रेरणा

(iii) ढेले छुआकर स्वयं पत्नीवरण करने की प्रथा कब प्रचलित थी ?

(A) आदिकाल में
(B) पाषाणयुग में
(C) त्रेतायुग में
(D) वैदिक काल में

(iv) गद्यांश में मंगल, शनि, बृहस्पति आदि ग्रहों का वर्णन क्यों किया गया है ?

(A) मानव जीवन पर पड़ने वाले इनके प्रभाव का वर्णन करने के लिए ।
(B) मिट्टी के ढेलों के आधार पर की जाने वाली स्वयंवर प्रथा का वर्णन करने के लिए ।
(C) लोक-जीवन में व्याप्त अंधविश्वासों और मान्यताओं पर चोट करने के लिए ।
(D) अंतरिक्ष में स्थित खगोलीय पिण्डों से परिचित कराने के लिए ।

(v) "आज का कबूतर अच्छा है कल के मोर से" – वाक्य का आशय है –

(A) आज कबूतर मिल रहा है, कल मोर मिलेगा
(B) आज कबूतर सस्ते हैं – कल महँगे हो जाएँगे
(C) वर्तमान की छोड़ो, भविष्य की चिंता करो ।
(D) आज का कम भी कल के अधिक से अच्छा है ।

खंड – ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित **तीन** शीर्षकों में से किसी **एक** शीर्षक पर लगभग **120** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : **5**

(क) फूलों की घाटी

(ख) पक्षियों का स्वच्छंद जीवन

(ग) ऋतुओं की आँख मिचौनी

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(क) 'कहानी' क्या है ? प्राचीन काल में इस संचार माध्यम का प्रयोग लोकप्रिय क्यों था और किसलिए होता था ?

(ख) साहित्य की अन्य विधाओं से नाटक विधा के रूप में अंतर का कारण बताते हुए, नाटक के तत्त्वों पर विचार कीजिए ।

(ग) कविता में बिंब का निर्माण कैसे होता है ? उदाहरण देकर समझाइए ।

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(क) टी.वी. माध्यम को सबसे सशक्त माध्यम माने जाने के क्या कारण हैं ?

(ख) मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए कौन-कौन सी बातों का ध्यान रखना ज़रूरी है ? किन्हीं तीन बिंदुओं को लिखिए ।

(पाठ्य–पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

10. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(क) 'बनारस' कविता के संदर्भ में लिखिए कि बनारस शहर की क्या पहचान है ?

(ख) 'मैंने देखा एक बूँद' कविता में ढलते सूरज की आग से क्षणभर रंगने वाली बूँद को देखकर कवि को क्या अनुभूति हुई ?

(ग) 'दिशा' कविता में 'मैंने पहली बार जाना हिमालय किधर है' – कवि के इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए ।

11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(क) 'कुटज' पाठ के आधार पर लिखिए कि दुःख और सुख मन के विकल्प क्यों हैं ?

(ख) यास्सेर अराफ़ात के आतिथ्य भाव से क्या प्रेरणा मिलती है ?

(ग) 'शेर' कहानी में प्रमाण से अधिक महत्वपूर्ण विश्वास को क्यों माना गया है ?

12. निम्नलिखित में से किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) विधि न सकेउ सहि मोर दुलारा । नीच बीचु जननी मिस पारा ।।
यहउ कहत मोहि आजु न सोभा । अपने समुझि साधु सुचि को भा ।।
मातु मंदि मैं साधु सुचाली । उर असआनत कोटि कुचाली ।।
फरहि कि कोदव बालि सुसाली । मुकता प्रसव कि संबुक काली ।। **6**

अथवा

(ख) मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण ! **6**

13. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) बड़े भैया के मरने के बाद ही जैसे सब खेल खत्म हो गया । तीनों भाइयों ने आपस में लड़ाई-झगड़ा शुरू किया । रैयतों ने ज़मीन पर दावे करके दखल किया, फिर तीनों भाई गाँव छोड़कर शहर में जा बसे, रह गई बड़ी बहुरिया-कहाँ जाती बेचारी ! भगवान भले आदमी को ही कष्ट देते हैं । नहीं तो एक घंटे की बीमारी में बड़े भैया क्यों मरते ? ... बड़ी बहुरिया की देह से ज़ेवर खींच-छीनकर बँटवारे की लीला हुई थी । हरगोबिन ने देखी है अपनी आँखों से द्रौपदी चीर-हरण लीला ! बनारसी साड़ी के तीन टुकड़े करके बँटवारा किया था, निर्दय भाइयों ने । बेचारी बड़ी बहुरिया । **6**

अथवा

(ख) मैंने जॉन साहब का नाम सुन रखा था । वे हमारे शहर के जाने-माने बैरिस्टर थे, मुस्लिम सज्जन थे । संभवत: गांधीजी उनके यहाँ ठहरे होंगे । फिर सहसा ही गांधीजी के मुँह से निकला – "अरे, मैं उन दिनों कितना काम कर लेता था । कभी थकता ही नहीं था ।" हमसे थोड़ा ही पीछे, महादेव देसाई, मोटा सा लट्ठ उठाए चले आ रहे थे । कोहाट और रावलपिंडी का नाम सुनते ही आगे बढ़ आए उस दौरे से जुड़ी अपनी यादें सुनाने लगे और एक बार जो सुनाना शुरू किया तो आश्रम के फाटक तक सुनाते चले गए ।

किसी-किसी वक्त गांधीजी, बीच में, हँसते हुए कुछ कहते । वे बहुत धीमी आवाज में बोलते थे, लगता अपने आपसे बातें कर रहे हैं, अपने साथ ही विचार विनिमय कर रहे हैं । उन दिनों को स्वयं भी याद करने लगे हैं । **6**

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

14. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लगभग **60** शब्दों में दीजिए :

(क) 'झोंपड़ी जला दिए जाने पर भी सूरदास किसी से प्रतिशोध लेना नहीं चाहता था ।' इस कथन के संदर्भ में उसके चरित्र की विशेषताएँ लिखिए । **3**

अथवा

(ख) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि माँ के साथ बच्चे का कैसा संबंध होता है और क्यों ? **3**

अंक-योजना

पूरी तरह से गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, **2024**

विषय--हिंदी (ऐच्छिक) (Q.P. कोड **29/4/1--3)**

Series S4PQR/4

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें।
2	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करने, किसी पत्रिका में प्रकाशित करने और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापने पर बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है।'
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं अथवा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें भले ही उत्तर अंक-योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाव-बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर नहीं बनाते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए।
5	मुख्य-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर-पुस्तिकाओं को देखना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए।

	मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर-पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँगी कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
6	जहाँ भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस **'X'** अंकित किया जाए।
7	यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है तो बाएं हाथ के हाशिए में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाए।
9	**यदि किसी छात्र ने अतिरिक्त प्रश्न किया है तो अधिक अंक प्राप्त उत्तर मान्य हो और कम अंक आने वाले उत्तर को 'अतिरिक्त प्रश्न'–इस नोट के साथ काट दिया जाए।**
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसके लिए केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूरा पैमाना 0 से 80 का उपयोग करना होगा। यदि उत्तर योग्य है तो कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (स्पॉट गाइडलाइन्स में विवरण दिया गया है)। प्रश्न-पत्र में कम किये गये पाठ्यक्रम और प्रश्नों की संख्या।
13	सुनिश्चित करें कि आप अतीत में मूल्यांकनकर्ता द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:- ● उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। ● किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंक से अधिक अंक देना। ● किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। ● उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। ● शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नों के अंकों का गलत योग। ● शीर्षक पृष्ठ पर दो कॉलमों के अंकों का गलत योग। ● गलत कुल योग। ● शब्दों और अंकों में लिखे गए प्राप्तांकों का परस्पर मेल न खाना/समान न होना। ● उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंक-सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। ● उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए।

	• उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले **'स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश'** में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को मुख पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

प्रश्न-पत्र कोड 29/4/1, 2, 3

अंक-योजना

हिन्दी (ऐच्छिक)

Series S4PQR/4

निर्धारित समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 80

क्र. सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत	अंक
	29/4 /1 प्रश्न सं.	29/4 /2 प्रश्न सं.	29/4 /3 प्रश्न सं.		
				खंड -अ **(वस्तुपरक प्रश्न)**	
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (C) मन, वचन, कर्म से एक होकर कार्य करने से। (ii) (D) केवल एक व्यक्ति बड़ा काम करने में सक्षम नहीं है। (iii) (A) एकता का महत्त्व समझाने के लिए। (iv) (C) सागर (v) (B) वीरों की गति रुक जाती है। (vi) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है। (vii) (B) एकजुट होकर काम करने से बड़े से बड़ा काम संभव हो सकता है। (viii) (B) महाभारत युद्ध (ix) (C) घर का भेदिया (x) (D) पूरी पृथ्वी ही एक परिवार की तरह है।	**10** x **1=10**

2	**2**	**1**	**3**	**अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) मृत्युपर्यंत सहानुभूति दिखाने वाली (ii) (A) सांत्वना देना (iii) (B) अपमान, भूख से पीड़ित आगे बढ़ने की इच्छा वालों को (iv) (C) निष्पक्षता (v) (A) कथन (1) और (2) सही हैं । (vi) (C) अनेक विषयों से संबंध रखने वाला (vii) (B) निर्भयता (viii) (D) दु:साहस न कर चुप रहने का	**8x1= 8**
3	**3**	**4**	**2**	**अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न--** (i) (C) पढ़ने, सुनने और देखने की सुविधा है। (ii) (A) राजनीतिक (iii) (A) क्या, कौन, कब तथा कहाँ को आधार बनाकर। (iv) (D) संपादकीय (v) (C) विशेष क्षेत्र या विषय से जुड़ी घटनाओं, मुद्दों, समस्याओं का विश्लेषण	**5 x 1=5**
4	**4**	**3**	**4**	**पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) जहाँ धरती और आकाश मिलते हुए नज़र आते हैं। (ii) (D) भारत के प्राकृतिक सौंदर्य और महिमा का (iii) (C) सूरज ने भारतवासियों के जीवन को समृद्ध और खुशहाल बना दिया। (iv) (C) भारत में अनजान लोगों की भी सहायता की जाती है। (v) (A) दक्षिण दिशा से आने वाली सुगंधित हवा	**5 x 1=5**
5	**5**	**6**	**5**	**पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) अंधविश्वास (ii) (C) बेवकूफी	**5 x 1=5**

				(iii) (D) वैदिक काल में (iv) (C) लोक-जीवन में व्याप्त अंधविश्वासों और मान्यताओं पर चोट करने के लिए। (v) (D) आज का कम भी कल के अधिक से अच्छा है।	
6	**6**	**5**	**6**	**पूरक पाठ्यपुस्तक (अन्तराल) पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) रुपयों की पोटली जल जाने का (ii) (D) छोटा-मोटा मुनाफा (iii) (B) माँ का दूध पीना छुड़ा दिया गया। (iv) (D) दोनों में बच्चों के प्रति ममता, सुरक्षा और सतर्कता की भावना है। (v) (A) ठुमरी (vi) (A) ग्रामीण जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य (vii) (B) तालाब बनवाये—बड़ी-बड़ी बावड़ियाँ बनवाई।	**7 x 1=7**
7	**7**	**7**	**7**	**खंड –ब** **(वर्णनात्मक प्रश्न)** **किसी एक विषय पर 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन--** विषय-वस्तु – 3 अंक भाषा – 1 अंक प्रस्तुति – 1 अंक	**5**
8	**8**		**9**	**(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)** **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) (2+1) • बाह्य संवेदनाओं का मन के स्तर पर बिंब रूप धारण करना • कुछ खास शब्दों से मन में कुछ चित्रों का कौंध जाना • स्मृति-चित्रों का शब्दों के माध्यम से कविता का बिंब निर्मित करना • **उदाहरण**—सुमित्रानंदन पंत की कविता –	**2 x 3=6**

		8		“तट पर बगुलों-सी वृद्धाएँ – विधवाएँ जप-ध्यान में मगन” में बगुले का आकार और सफेदी – विधवाओं के घुटे सिर, श्वेत वस्त्र एकाकार होना (कोई भी अन्य उचित उदाहरण स्वीकार्य) (ख) (2+1) • नाटक—दृश्य विधा, मंचीयता का गुण • समय का बंधन होने के कारण • भूत या भविष्य की घटनाओं को वर्तमान में ही संयोजित करने के कारण • नाटक का आँखों के समक्ष घटित होने के कारण **नाटक के तत्त्व**—कथानक, संवाद, पात्र और चरित्र- चित्रण, देशकाल और वातावरण, अभिनेयता (कोई दो तत्त्व) (ग) (1+2) • **कहानी** –किसी घटना, पात्र अथवा समस्या का क्रमबद्ध ब्योरा, जिसमें परिवेश, द्वन्द्वात्मकता, कथा का क्रमिक विकास, चरम-उत्कर्ष का बिंदु हो • **लोकप्रियता**—मानव की सहज-स्वाभाविक वृति होने के कारण जीवन का अविभाज्य अंग, धर्मप्रचारकों द्वारा अपने सिंद्धात और विचार लोगों तक पहुँचाने तथा शिक्षा देने का माध्यम होने के कारण (क) (1+2) • **कहानी** –किसी घटना, पात्र अथवा समस्या का क्रमबद्ध ब्योरा, जिसमें परिवेश, द्वन्द्वात्मकता, कथा का क्रमिक विकास, चरम-उत्कर्ष का बिंदु हो • **लोकप्रियता**—मानव की सहज-स्वाभाविक वृति होने के कारण जीवन का अविभाज्य अंग, धर्मप्रचारकों द्वारा अपने सिंद्धात और विचार लोगों तक पहुँचाने तथा शिक्षा देने का माध्यम होने के कारण	

				(ख) (2+1) • नाटक—दृश्य विधा, मंचीयता का गुण • समय का बंधन होने के कारण • भूत या भविष्य की घटनाओं को वर्तमान में ही संयोजित करने के कारण • नाटक का आँखों के समक्ष घटित होने के कारण **नाटक के तत्त्व**—कथानक, संवाद, पात्र और चरित्र- चित्रण, देशकाल और वातावरण, अभिनेयता (कोई दो तत्त्व) (ग) (2+1) • बाह्य संवेदनाओं का मन के स्तर पर बिंब रूप धारण करना • कुछ खास शब्दों से मन में कुछ चित्रों का कौंध जाना • स्मृति-चित्रों का शब्दों के माध्यम से कविता का बिंब निर्मित करना • **उदाहरण**—सुमित्रानंदन पंत की कविता – "तट पर बगुलों-सी वृद्धाएँ – विधवाएँ जप-ध्यान में मगन" में बगुले का आकार और सफेदी – विधवाओं के घुटे सिर, श्वेत वस्त्र एकाकार होना (कोई भी अन्य उचित उदाहरण स्वीकार्य)	
9	**9**			**प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) **खूबियाँ** – • तत्काल सूचनाओं की उपलब्धता • दृश्य और प्रिंट दोनों माध्यमों का तत्काल लाभ • तीव्रता से समाचार प्राप्ति • समाचार का तत्काल सत्यापन और पुष्टि • संवादों के तत्काल आदान-प्रदान का स्रोत • औजार के रूप में प्रयुक्त **कमियाँ** – • अनवरत प्रयोग की लत के बुरे परिणाम	**2 x 3=6**

				• शारीरिक गतिविधियों से कट जाना • अश्लीलता और दुष्प्रचार का कारण • महँगा और अधिक खर्चीला • गरीब और अनपढ़ों के लिए अनुपयोगी (ख) • साफ-सुथरी और टंकित कापी हो • अंकों को शब्दों में लिखा जाए • आँकड़ों तथा संख्याओं का प्रयोग कम • केवल प्रचलित शब्दों के संक्षिप्ताक्षर का प्रयोग • पृष्ठ के अंत में अधूरे वाक्य का प्रयोग नहीं	
		9		(क)• देखने और सुनने का सबसे सशक्त और जीवंत माध्यम • कम से कम शब्दों में अधिक व तत्काल खबर देने का माध्यम • दृश्य होने के कारण अधिक प्रामाणिक, ख़बरों की पुष्टि संभव • मनोरंजन और ज्ञानवर्धन का उत्तम साधन • पूरे विश्व के समाचार घर बैठे उपलब्ध • धनी, निर्धन, अशिक्षित सभी प्रकार के लोग लाभान्वित (ख)• भाषा के व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान • शब्द -सीमा और आबंटित जगह के अनुशासन का ध्यान • लेखन और प्रकाशन के बीच की गलतियों और अशुद्धियों को ठीक करना • सहज प्रवाह के लिए तारतम्यता	
			8	(क) • फ्लैश/ ब्रेकिंग न्यूज • ड्राई एंकर • फोन-इन • एंकर-विजुअल • एंकर-बाइट • लाइव • एंकर-पैकेज (किन्हीं दो का संक्षिप्त वर्णन)	

				(ख)• भाषा के व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान • शब्द -सीमा और आबंटित जगह के अनुशासन का ध्यान • लेखन और प्रकाशन के बीच की गलतियों और अशुद्धियों को ठीक करना • सहज प्रवाह के लिए तारतम्यता	
10	10	10		**पद्य खण्ड पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• वर्षों से गंगा के प्रति आस्था, श्रद्धा, विश्वास, भक्ति और विरक्ति में कोई अंतर न आना • आधुनिकता का प्रवेश होने पर भी बनारस शहर की आध्यात्मिकता और भव्यता आज भी विद्यमान (ख)• विराट के सम्मुख बूँद का समुद्र से अलग दिखना • नष्ट होने के बोध से मुक्ति • जीवन में क्षण का महत्त्व • क्षणभंगुरता का बोध • विराट/समष्टि से अलग होकर व्यक्ति की सार्थकता (ग) • अशोक वृक्ष पर बैठी चिड़िया के कूकने के स्वर से • वृक्षों के पीले पत्ते झड़ने और पैर के नीचे आने की चुरमुर ध्वनि से • अपेक्षाकृत गर्म हवा का तेजी से आकर चले जाना (क) • आध्यात्मिक लय का शहर • आधुनिक होते हुए भी आधुनिकता से बेखबर • शहर की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान • गंगा के साथ आस्था, श्रद्धा, विश्वास और विरक्ति • गंगा और गंगा में बँधी नाव, एक ओर मंदिरों-घाटों पर जलने वाले दीप तो दूसरी तरफ कभी न बुझने वाली चिताग्नि • हवन इत्यादि से उठने वाला धुआँ, गंगा के सान्निध्य से मोक्ष की अवधारणा से जुड़े लोग (ख)• विराट के सम्मुख बूँद का समुद्र से अलग दिखना • नष्ट होने के बोध से मुक्ति	**2 x 2=4**

			10	• जीवन में क्षण का महत्त्व • क्षणभंगुरता का बोध • विराट/समष्टि से अलग होकर व्यक्ति की सार्थकता (ग) • बाल-मनोविज्ञान का प्रथम परिचय • हर व्यक्ति का अपना-अपना दृष्टिकोण • बच्चे का यथार्थ को अपने ढंग से देखना • बालक का अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्रचित्त होना (क)• मोहल्लों की तरफ से उठती धूल के बवंडर से • घाटों पर बढ़ती तीर्थ यात्रियों की भीड़ से • याचकों के चेहरे और आँखों की चमक से • बंदरों की आँखों की नमी से (ख)• गीत की सार्थकता मनुष्यों से जो उसे गाएँ • मोती की सार्थकता पनडुब्बा से जो उसे समुद्र से बाहर लाए (ग)• आधुनिक मनुष्य का प्रकृति से रिश्ता टूटना • ऋतु-परिवर्तन की जानकारी अनुभूति की बजाय कैलेंडर से • आधुनिक जीवन-शैली की व्यस्तता के कारण मुनष्य का प्रकृति के नैसर्गिक सौंदर्य से दूर होना	
11	11	12	11	**किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या--** संदर्भ – 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक (क) कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कविता – सरोज-स्मृति **अथवा** (ख) कवि—तुलसीदास कविता – भरत-राम का प्रेम (क) कवि—तुलसीदास कविता – भरत-राम का प्रेम	6

				अथवा (ख) कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कविता – सरोज-स्मृति	
12	12	11		**गद्य खंड पर आधारित दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क) • उनके भावी अंधकारमय भविष्य की कल्पना करके • अपने मूल परिवेश को छोड़, आधुनिक औद्योगीकरण की आँधी के कारण विस्थापितों का-सा जीवन व्यतीत करने की विवशता की आशंका से • गन्दी बस्तियों में रहने की भयावहता से (ख) संवदिया की भूमिका निभाने संबंधी प्रश्न पर विद्यार्थियों का मुक्त उत्तर स्वीकार्य (ग) • विपरीत परिस्थितियों में दृढ़ता से संघर्षरत • स्वावलंबी होना • चापलूसी न करना • निर्भीक बने रहना • मन पर नियंत्रण रखना • झूठी प्रशंसा न करना • अंधविश्वास से दूर रहना • दुःख और सुख के प्रति समभाव • अपराजेय जीवनी-शक्ति (कोई दो बिंदु स्वीकार्य) (क) • सुख और दुःख मन के ही विकल्प अर्थात एक ही सिक्के के दो पहलू, सुख या दुःख मन की सोच पर आधारित • एक ही परिस्थिति मन के अनुरूप होने पर सुख, प्रतिकूल होने पर दुःख (ख) • भेदभाव रहित आतिथ्य सत्कार • विनम्रता और सरलता • 'अतिथि देवो भव' की भावना • सेवाभाव	**2 x 2=4**

			12	(ग) • विश्वास जीत लेने पर प्रमाण की महत्ता का गौण हो जाना • शेर की हिंसक प्रवृति से परिचित होने के बावजूद शेर द्वारा स्वयं को सहअस्तित्ववादी और अहिंसावादी बताकर विश्वास जीत लेने से बिना प्रमाण माँगे उसके मुँह में जानवरों का बेझिझक प्रवेश करते चले जाना (क)• औद्योगीकरण के कारण विस्थापन में घर-बार हमेशा के लिए उजड़ जाना जबकि प्राकृतिक आपदा के कारण विस्थापन में बाढ़, भूकंप आदि के कारण लोगों का घर-बार छोड़कर कुछ समय के लिए बाहर जाना और मुसीबत टलने पर पुन: अपने स्थान पर वापस आ जाना • घातक क्यों –औद्योगीकरण की आँधी में सिर्फ मनुष्य का ही न उखड़ना बल्कि उसका परिवेश, संस्कृति और आवास-स्थल भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाना (ख)• विपरीत परिस्थितियों में दृढ़ता से संघर्षरत • स्वावलंबी होना • दुरंत जीवन-शक्ति • निर्भीक बने रहना • मन पर नियंत्रण रखना • जिजीविषा का गुण • दु:ख और सुख के प्रति समभाव (कोई दो बिंदु स्वीकार्य) (ग)• अराफ़ात द्वारा लेखक और उनकी पत्नी का स्वागत करना • अराफ़ात का स्वयं फल छीलकर उन्हें खिलाना • शहद की चाय बनाकर पिलाना • गुसलखाने के बाहर तौलिया लेकर खड़े होना (किन्हीं दो घटनाओं का उल्लेख स्वीकार्य)	
13				**किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या --** संदर्भ – 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक	**6**

	13	13	14	(क) पाठ-- प्रेमघन की छाया स्मृति लेखक – रामचंद्र शुक्ल **अथवा** (ख) पाठ—सुमिरिनी के मनके (बालक बच गया) लेखक– पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी (क) पाठ –संवदिया लेखक –फणीश्वरनाथ 'रेणु' **अथवा** (ख) पाठ –गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात लेखक –भीष्म साहनी (क) पाठ –साझा (लघु कथाएँ) लेखक – असगर वजाहत **अथवा** (ख) पाठ –जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक—निर्मल वर्मा	
14	14	14	13	**किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित--** (क) • क्षमाभाव तथा मानवीय मूल्यों में विश्वास • पुनर्निर्माण में विश्वास • अहिंसात्मक प्रवृत्ति • सकारात्मक सोच **अथवा** (ख) (2+1) • माँ और बच्चे के बीच अनुपम और अटूट संबंध • माँ और बच्चे के सम्बन्ध का बयान सेस-सारद द्वारा भी असंभव • निश्छल और सर्वोत्कृष्ट संबंध **क्यों --** • माँ से निरंतर शारीरिक, मानसिक व भावात्मक रूप से जुड़े रहना	3

				• माँ द्वारा स्वयं कष्ट सह कर भी बच्चे की सुरक्षा करना और बच्चे का माँ के संरक्षण में स्वयं को सुरक्षित महसूस करना	